भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1050
जिसका उत्तर बुधवार 27 जुलाई, 2016 को दिया जाना है

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण संबंधी कार्यकलाप

1050. डॉ० आर० लक्ष्मणन:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारी उद्योग विभाग के अंतर्गत सरकारी क्षेत्र के उपक्रम विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर रहे थे/कौशल विकास कार्यकलाप कर रहे थे;

(ख) यदि हां, तो उन कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है जिनके माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है और कौशल विकास किया जाता है;

(ग) उन लक्षित समूहों का ब्यौरा क्या है जिन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है और जिनका कौशल विकास किया जाता है; और

(घ) तमिलनाडु राज्य में लक्षित समूहों को दिए गए प्रशिक्षण और उनके लिए किए गए कौशल विकास कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख): जी, हां। भारी उद्योग विभाग के अधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर), कोर प्रोग्राम, कार्यात्मक और तकनीकी प्रबंधन कार्यक्रमों, रणनीतिक प्रबंधन कार्यक्रमों, गुणता प्रबंधन कार्यक्रमों, सक्षमता कार्यक्रमों, शिल्पकार प्रशिक्षण स्कीम, नर्सिंग प्रशिक्षण स्कीम, व्यावसायिक प्रशिक्षण स्कीम, प्रशिक्षु प्रशिक्षण स्कीम, कंप्यूटर एप्लीकेशंस, औद्योगिक सुरक्षा पर प्रशिक्षण, फिटर/मैकेनिस्ट/इलेक्ट्रिशियन आदि के लिए प्रशिक्षण जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यकलापों में रत हैं।

इसके अतिरिक्त, भारी उद्योग विभाग के अधीन केपिटल गुड्स सेक्टर, ऑटोमोटिव सेक्टर और केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में कौशल संबंधी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ रोजगार/उद्यमिता के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के आम उद्देश्य से राष्ट्रीय कौशल विकास कार्रवाई योजना विकसित और कार्यान्वित करने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के साथ भारी उद्योग विभाग ने 08.12.2015 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ग): केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के ये उद्यम अपने नियमित कर्मचारियों तथा उपभोक्ताओं, प्रशिक्षुओं, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षुओं, इंजीनियरों, स्नातकों, आईटीआई उत्तीर्ण एवं डिप्लोमा धारकों, गैर-सांविधिक प्रशिक्षुओं (सीए, आईसीडब्ल्यूए, एनआईआईटी प्रमाणित), स्थानीय जनजातीय और कम पढ़े-लिखे युवाओं आदि समेत कंपनी से इतर कार्मिकों के लिए भी ऐसे कार्यक्रमों को संचालित करते हैं।

(घ): भारी उद्योग विभाग के अधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) की तमिलनाडु में तीन विनिर्माण इकाइयां (त्रिची, रानीपेट और तिरुमयम) हैं जिन्होंने 2015-16 के दौरान मैकेनिस्ट, टर्नर, फिटर, वेल्डर, मैकेनिक आदि जैसे विभिन्न ट्रेडों में लगभग 1800 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण उपलब्ध कराया है। इसके अलावा, तमिलनाडु में त्रिची स्थित बीएचईएल इकाई के तत्वावधान में वेल्डिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट आईटीआई वेल्डर उत्तीर्ण अभ्यर्थियों तथा अन्य प्रायोजित अभ्यर्थियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

******